7.2.1 - Describe two best practices successfully implemented by the Institution as per NAAC format provided in the Manual: -

1. Corona Awareness

Objectives of the Practice: -Making people aware of corona during covid-19 pandemic.

The Context: - People who were not aware of Corona. They did not know, how corona spreads? How can this be stopped? What tests are done to check this? Which medicine is taken? Which vaccine is taken? People had to be made aware about them only.

The Practice: -The following things were explained to make people aware of Corona: -

- Get Vaccinated and stay up to date on your COVID-19 vaccines.
- Wear a mask.
- Stay 6 feet away from others.
- Wash your hands often.
- Avoid poorly ventilated spaces and crowds.
- Test to prevent spread to others.
- Cover coughs and sneezes.
- Clean and disinfect.
- Monitor your health daily.
- Follow recommendations for quarantine.
- Follow recommendations for isolation.
- Take precautions when you travel.

Evidence of Success: - All the above things were taken care of by the college. People were also made aware by the NSS candidates.

Problems Encountered and Resources Required: -

- During the Corona pandemic, it was a difficult task to convince people to stay at home.
- Creating awareness about the corona pandemic vaccine was a difficult task.
- Persuading people to wear masks, yet people do not wear masks.
- Masks, sanitizers and vaccines etc. were needed.

- स्वयं सेवकों व स्वयं सेविकाओं द्वारा कोरोना महामारी में मास्क वितरण, सेनेटाईजर वितरण, काढा वितरण एवं अन्य सेवा कार्यो के साथ महामारी से संबंधित जागरुकता लाने का कार्य किया गया।

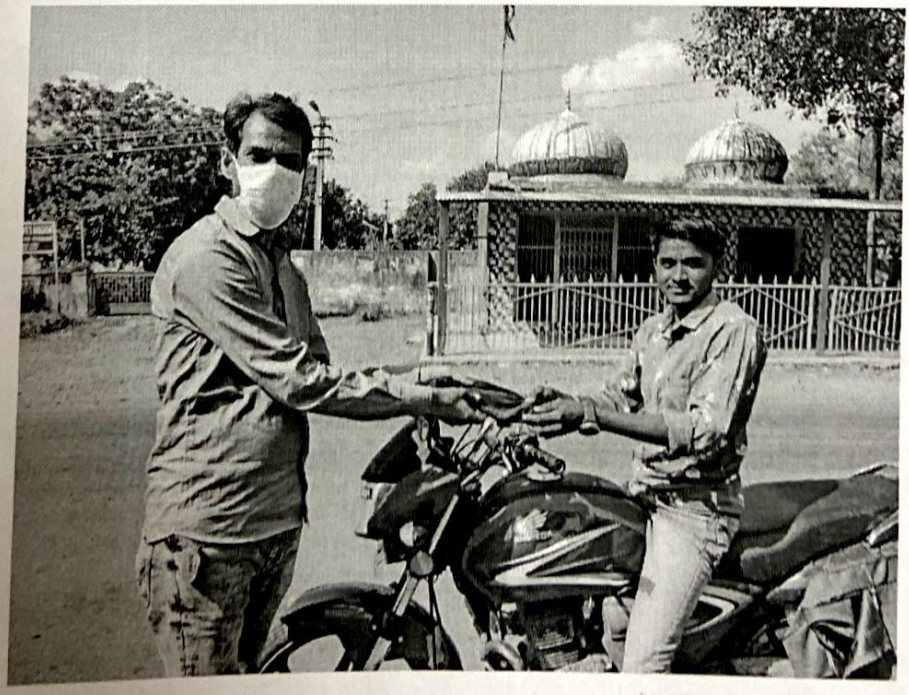

श्रद्धावान्लभतेज्ञानम्

- कोविड–19 के लिए जागरुकता पैदा करने हेतु विभिन्न माध्यमों जैसे सोशल मीडिया आदि का उपयोग करते हुए जागरुकता अभियान चलाया गया। महामारी की लड़ाई में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम के स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं ने अपनी सेवाऐं प्रदान की तथा समाज में कोविड–19 को एक सामाजिक कलंक के रुप में न देखा जाएं इसके लिए जागरुक किया।

श्रद्धावान्लभतेज्ञानम्

- दिनांक 02 अक्टुबर से 17 अक्टुबर तक **"नो मास्क नो एण्ट्री"** जनजागरण पखवाड़ा मनाया गया जिसमें स्वयं सेवकों व स्वयं सेविकाओं द्वारा कोरोना महामारी में मास्क वितरण, सेनेटाईजर वितरण, काढा वितरण एवं अन्य सेवा कार्यो के साथ महामारी से संबंधित जागरुकता लाने का कार्य किया गया।

- दिनांक 19 से 25 नवम्बर के मध्य कौमी एकता सप्ताह आयोजित किया गया, जिसमें ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

श्रद्धावान्लभतेज्ञानम्

ऑनलाइन प्रतियोगिता सम्पन्न

झालावाड़ पत्रिका

भवानीमंडी। स्थानीय राजकीय बिरला महाविद्यालय में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150 वीं जयंती एवं स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रंखला में कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं जागरूकता हेतु राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 जागरूकता अभियान एवं जन अनुशासन पखवाड़े के तहत स्वयं बचें, अपनों को बचाएँ- कोरोना मुक्त राजस्थान बनाएँ विषय पर ऑनलाइन मोड पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों व स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर के भाग लिया तथा कोरोना के लिए जनता में जागरूकता जगाने से संबंधित राज्य सरकार की गाइडलाइन का पालन का संदेश देते हुए उक्त विषय पर निबंध लिखे । इस प्रतियोगिता में एम. एस. सी. पूर्वार्द्ध की छात्रा अंकिता कुमारी ने प्रथम स्थान,बीए द्वितीय की छात्रा रितिका सुथार व बीएससी की छात्रा ऐश्वर्या कंवर ने द्वितीय स्थान तथा बीए प्रथम वर्ष की छात्रा सिमरन मंसूरी व बीए द्वितीय के छात्र बजरंग लाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । विद्यार्थियों व स्वयंसेवकों ने अपने निबन्धों के माध्यम से जन जागृति का संदेश दिया। प्रतियोगिता महाविद्यालय के प्राचार्य डा. आनन्द कुमार जैन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई । निर्णायक की भूमिका महाविद्यालय के संस्कृत विषय के सहायक आचार्य मनमोहन शर्मा ने निभाई तथा विद्यार्थियों को इसी तरह से जनजागृति हेतु प्रेरित किया।

2. Tree Plantation Programme

Objectives of the Practice: -

- To promote awareness of environmental issues among the students, staff and society.
- To conserve water resources through rainwater harvesting.
- To plant rare and medicinal/herbal plants on the college campus.
- To support and implement "Swachh Bharat Abhiyan" for healthy India.

The Context: -

The main aim of them practice is to impart knowledge, create awareness and develop an attitude of concern and to nurture necessary skills to handle the environmental issues and challenges.

The Practice: -

- It is the important duty of students to plant more and more trees, herbs and climbers because these are the carriers of rain and cloud.
- LED bulbs are installed in the college buildings to save electricity.
- Making biofertilizers from broken leaves, twigs, flowers and other parts of plants
- Water the plants regularly.
- Preventing students from breaking the plant.

Evidence of the Success: -

- **1**00 saplings were planted in the college during the session 2020-21.
- In the college, 2 gardens were set up under the green campus.
- Awareness campaign for the plastic-free campus.
- A mandatory course on Environmental studies at B.A/B.Sc. /B. Com level.

Problems Encountered and Resources Required: -

- Green Campus initiative is rather expensive practice.
- Less awareness of students and community towards environmental issues.
- The college faculty and senior students are convincing the junior students like the chain and a greater number of students are coming forward to plant more trees as a part of NSS activities.

- मानसून काल में महाविद्यालय परिसर एवं ग्रामीण क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं तथा संकाय सदस्यों द्वारा एक छात्र एक पौधा के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया।

~ 3 ~

- दिनांक 20 अगस्त को उपखण्ड अधिकारी एवं महाविद्यालय ने मिलकर महाविद्यालय परिसर में आयुर्वेद चिकित्सालय के सहयोग से नीम गिलोय की बैल लगाने का कार्य किया गया।

गुर्जर महासभा के नेतृत्व में पौधरोपण।

भवानीमंडी. कॉलेज परिसर में पौधे लगाते।

बकानी. खेल मैदान में पौधे लगाते हुए।

ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं, ताकि हमें शुद्ध हवा मिल सके

अकलेरा. प्राथमिक स्कूल में पौधरोपण।

खानपुर. पौधारोपण करते हुए।

Environmental Studies Syllabus Link: - https://www.uok.ac.in/syllabus/643_Environmental-Studies.pdf